एम.जे.पी. रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली
NEP- 2020 FOUR YEAR HINDI U.G. DEGREE HONOURS WITH RESEARCH
सी0बी0एस0 आधारित क्रेडिट सिस्टम सत्र–2024–25
चतुर्वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स शोध सहित पाठ्यक्रम

वर्ष	सेमेस्टर	प्रश्न पत्र	प्रश्न पत्र का शीर्षक	अंक आंत0 / बाह्य	लिखित / मौखिक	क्रेडिट्स
IV	**VII**	प्रथम	हिन्दी साहित्य का इतिहास	100 (30/70)	लिखित	4
		द्वितीय	आधुनिक हिन्दी काव्य (द्विवेदी युग से प्रयोगवाद तक)	100 (30/70)	लिखित	4
		तृतीय	हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)	100 (30/70)	लिखित	4
		चतुर्थ	लघुशोध (विषय चयन एवं सामग्री संकलन)	100	लिखित	4
		पंचम	मौखिकी	100	मौखिक	4
					कुल क्रेडिट्स	**20**
IV	**VIII**	प्रथम	हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि का इतिहास	100 (30/70)	लिखित	4 4
		द्वितीय	हिन्दी निबन्ध एवं अन्य गद्य विधाएं	100 (30/70)	लिखित	
		तृतीय	अद्यतन हिन्दी काव्य (नई कविता एवं नवगीत)	100 (30/70)	लिखित	4
		चतुर्थ	लघुशोध (लेखन–प्रस्तुतिकरण एवं मूल्यांकन)	100	लिखित	4
		पंचम	मौखिकी	100	मौखिक	4
					कुल क्रेडिट्स	**20**

(डॉ.राम आधार सिंह यादव) सदस्य | (प्रो० सीमा अग्रवाल) सदस्य | (प्रो० कंचन सिंह) सदस्य | (प्रो० साधना तोमर) बाह्य विशेषज्ञ | (प्रोफेसर बीना रुस्तगी) संयोजक

हिन्दी पाठ्य समिति महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली

नई शिक्षा नीति–2020 के दृष्टिगत विश्वविद्यालय के पत्रांक : रू.वि./शैक्षणिक/2024/26 दिनांक : 03/04/2024 के अनुपालन में दिनांक : 21/06/2024 दिन शुक्रवार, सायं 05 बजे पाठ्य समिति द्वारा गूगल मीट पर वर्चुअल बैठक सम्पन्न की गयी, जिसमें स्नातक चतुर्वर्षीय हिन्दी ऑनर्स शोध सहित एवं चतुर्वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स के तैयार पाठ्यक्रम की चर्चा एवं अनुमोदन किया गया।

इस अवसर पर निम्न सदस्य उपस्थित रहे –

1. प्रो0 बीना रुस्तगी, जे.एस.एच. (पी.जी.) कॉलेज, अमरोहा – संयोजक
2. डॉ0 राम आधार सिंह यादव, एस.एम. कॉलेज, चन्दौसी – सदस्य
3. प्रो0 सीमा अग्रवाल, गोकुलदास गर्ल्स डिग्री कॉलेज, मुरादाबाद – सदस्य
4. प्रो0 कंचन सिंह, दयानन्द आर्य कन्या डिग्री कॉलेज, मुरादाबाद – सदस्य
5. प्रो0 साधना तोमर, प्राचार्या– ए.के.पी. कॉलेज, हापुड़ – बाह्य विशेषज्ञ

पाठ्य समिति द्वारा स्नातक चतुर्वर्षीय हिन्दी ऑनर्स शोध सहित एवं चतुर्वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स पाठ्यक्रम के सप्तम एवं अष्टम सेमेस्टर का पाठ्यक्रम तैयार किया गया। अनुमोदित पाठ्यक्रम आवश्यक कार्यार्थ विश्वविद्यालय की सेवा में प्रेषित है।

(डॉ.राम आधार सिंह यादव)	(प्रो० सीमा अग्रवाल)	(प्रो० कंचन सिंह)	(प्रो० साधना तोमर)	(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)
सदस्य	सदस्य	सदस्य	बाह्य विशेषज्ञ	संयोजक

चतुर्वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स शोध सहित पाठ्यक्रम

सप्तम सेमेस्टर– क्रेडिट– 4 **कुल 100 अंक**

प्रथम प्रश्न पत्र का शीर्षक : हिन्दी साहित्य का इतिहास

निर्धारित पाठ्यक्रम–

इकाई 1. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, काल विभाजन और नामकरण, हिन्दी साहित्य का आदिकाल : नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, नाथ–सिद्ध साहित्य परम्परा, रासो काव्य परम्परा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाएं।

इकाई 2. मध्यकाल : भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियां, सूफी काव्य परम्परा, सगुण काव्यधारा : रामभक्ति परम्परा, कृष्णभक्ति परम्परा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएं।

इकाई 3. रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियां, लक्षण ग्रन्थ–परम्परा, रीतिकाल की काव्यधाराएं : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएं।

इकाई 4. आधुनिक साहित्य एवं पुनर्जागरण, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन काव्य, आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य की प्रमुख विधाओं का परिचय, निबन्ध, उपन्यास, कहानी, नाटक एवं अन्य गद्य विधाएं (संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा वृतान्त, रिपोर्ताज)।

सहायक ग्रन्थ–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका – डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. साहित्य की समस्याएं – डॉ0 शिवदान सिंह चौहान
5. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेन्द्र
7. हिन्दी का गद्य साहित्य – डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
8. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास – डॉ0 सुमन राजे
9. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह
10. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास– डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी

❑❑❑

(डॉ.राम आधार सिंह यादव)	(प्रो० सीमा अग्रवाल)	(प्रो० कंचन सिंह)	(प्रो० साधना तोमर)	(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)
सदस्य	सदस्य	सदस्य	बाह्य विशेषज्ञ	संयोजक

चतुर्वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स शोध सहित पाठ्यक्रम

सप्तम सेमेस्टर– क्रेडिट– 4 **कुल 100 अंक**

द्वितीय प्रश्न पत्र का शीर्षक : आधुनिक हिन्दी काव्य (द्विवेदी युग से प्रयोगवाद तक)

निर्धारित पाठ्यक्रम–

इकाई 1. **अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध–** प्रियप्रवास (सर्ग 6 प्रथम 40 छंद)।
मैथिलीशरण गुप्त– साकेत (नवम् सर्ग)।

इकाई 2. **जयशंकर प्रसाद–** कामायनी– श्रद्धा सर्ग, लज्जा सर्ग।
निराला– जुही की कली, जागो फिर एक बार, सरोजस्मृति, कुकरमुत्ता।
सुमित्रानंदन पंत– परिवर्तन, प्रथम रश्मि।

इकाई 3. **महादेवी वर्मा–** बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी जी हूँ, मैं नीर भरी दुख की बदली, फिर विकल है प्राण मेरे, यह मन्दिर का दीप इसे नीरव जलने दो।
रामधारी सिंह दिनकर– रश्मिरथी।

इकाई 4. **वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन'–** कालिदास, बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद,
सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय– कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, हरी घास पर क्षण भर, असाध्य वीणा।

सहायक ग्रन्थ–

1. छायावाद पुर्नमूल्यांकन – सुमित्रानंदन पंत
2. छायावाद से नयी कविता – डॉ0 प्रतिमा कृष्णबल
3. साकेत के नवम सर्ग का काव्य वैभव – डॉ0 कन्हैयालाल सहल
4. कामायनी चिंतन – डॉ0 विमल कुमार जैन
5. कामायनी के अनुशीलन की समस्याएं – डॉ0 नगेन्द्र
6. निराला – डॉ0 रामविलास शर्मा
7. आधुनिक हिन्दी कविता – विश्वनाथ तिवारी
8. सुमित्रानन्दन पंत – सम्पादक बच्चन
9. महादेवी – इन्द्रनाथ मदान
10. नागार्जुन की कविता – अजय तिवारी (वाणी प्रकाशन हिन्दी)
11. अज्ञेय का काव्य : शब्द और सत्य – अशोक वाजपेयी, पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली

❑❑❑

(डॉ.राम आधार सिंह यादव) सदस्य
(प्रो० सीमा अग्रवाल) सदस्य
(प्रो० कंचन सिंह) सदस्य
(प्रो० साधना तोमर) बाह्य विशेषज्ञ
(प्रोफेसर बीना रुस्तगी) संयोजक

चतुर्वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स शोध सहित पाठ्यक्रम

सप्तम सेमेस्टर– क्रेडिट– 4 कुल 100 अंक

तृतीय प्रश्न पत्र का शीर्षक : हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)

निर्धारित पाठ्यक्रम–

कहानियां–

इकाई 1. **राजेंद्र बाला घोष (बंग महिला)**– दुलाई वाली,
माधवराव सप्रे– एक टोकरी भर मिट्टी,
सुभद्रा कुमारी चौहान– राही,
प्रेमचंद– ईदगाह,
राधिकारमण प्रसाद सिंह– कानों में कंगना।

इकाई 2. **चंद्रधर शर्मा गुलेरी**– उसने कहा था,
फणीश्वरनाथ रेणु– लाल पान की बेगम,
शेखर जोशी– कोसी का घटवार,
हरिशंकर परसाई– इंस्पेक्टर मातादीन चांद पर।

इकाई 3. **जयशंकर प्रसाद**– आकाशदीप,
भीष्म साहनी– अमृतसर आ गया,
जैनेंद्र– अपना अपना भाग्य,
कृष्णा सोबती– सिक्का बदल गया,
निर्मल वर्मा– परिंदे।

इकाई 4. **उपन्यास– प्रेमचंद**– गोदान, **श्रीलाल शुक्ल**– राग दरबारी।

सहायक ग्रन्थ–

1. नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति	–	डॉ0 देवी शंकर अवस्थी
2. नयी कविता की भूमिका	–	कमलेश्वर
3. आज का हिन्दी उपन्यास	–	डॉ0 इन्द्रनाथ मदान
4. प्रेमचंद और उनका युग	–	रामविलास शर्मा
5. हिन्दी कहानी की रचना प्रक्रिया	–	परमानन्द श्रीवास्तव
6. प्रेमचंद : एक विवेचन	–	इन्द्रनाथ मदान
7. हिन्दी उपन्यास एक अंतर्यात्रा	–	रामदरश मिश्र

❒❒❒

(डॉ.राम आधार सिंह यादव)	(प्रो० सीमा अग्रवाल)	(प्रो० कंचन सिंह)	(प्रो० साधना तोमर)	(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)
सदस्य	सदस्य	सदस्य	बाह्य विशेषज्ञ	संयोजक

चतुर्वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स शोध सहित पाठ्यक्रम

सप्तम सेमेस्टर– क्रेडिट– 4 **कुल 100 अंक**

चतुर्थ प्रश्न पत्र : लघुशोध– विषय चयन एवं सामग्री संकलन

इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थी द्वारा लघुशोध का विषय चयन एवं सामग्री संकलन किया जायेगा, जो विभागीय निर्देशक प्राध्यापक के निर्देशन में किया जायेगा। सेमेस्टर के अन्त में इसकी प्रगति के आधार पर ही विद्यार्थी का मूल्यांकन किया जायेगा।

❑❑❑

सप्तम सेमेस्टर– क्रेडिट– 4 **कुल 100 अंक**

पंचम प्रश्न पत्र : मौखिकी

इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थी की मौखिक परीक्षा सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर आन्तरिक एवं बाह्य परीक्षक के द्वारा संयुक्त रूप से 100 अंकों में ली जायेगी।

❑❑❑

(डॉ.राम आधार सिंह यादव)	**(प्रो० सीमा अग्रवाल)**	**(प्रो० कंचन सिंह)**	**(प्रो० साधना तोमर)**	**(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)**
सदस्य	सदस्य	सदस्य	बाह्य विशेषज्ञ	संयोजक

चतुर्वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स शोध सहित पाठ्यक्रम

अष्टम सेमेस्टर– क्रेडिट– 4 **कुल 100 अंक**

प्रथम प्रश्न पत्र का शीर्षक : हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि का इतिहास

इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

इकाई 1. हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं।
मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं– पालि, प्राकृत, शौरसैनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं।

इकाई 2. हिन्दी का भौगोलिक विस्तार एवं विविध रूप
हिन्दी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियां, हिन्दी के विविध रूप– सम्पर्क भाषा, राष्ट्र भाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम भाषा, संचार भाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

इकाई 3. हिन्दी का भाषिक स्वरूप –
हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था– खंड्य और खंडयेतर।
हिन्दी शब्द रचना– उपसर्ग, प्रत्यय, समास।
रूपरचना– लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के संदर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप।
हिन्दी वाक्य रचना पदक्रम और अन्विति।

इकाई 4. देवनागरी लिपि :
देवनागरी लिपि का इतिहास।
देवनागरी लिपि की विशेषताएं और मानकीकरण।

सहायक ग्रन्थ–

1. हिन्दी भाषा का इतिहास – डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा
2. हिन्दी भाषा का विकास – डॉ0 उदयनारायण तिवारी
3. हिन्दी भाषा का विकास – डॉ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा
4. हिन्दी भाषा और लिपि का विकास – डॉ0 सत्यनारायण त्रिपाठी
5. हिन्दी की आत्मा – डॉ0 धर्मवीर
6. हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास – डॉ0 तिलक सिंह

❒❒❒

(डॉ.राम आधार सिंह यादव)	(प्रो० सीमा अग्रवाल)	(प्रो० कंचन सिंह)	(प्रो० साधना तोमर)	(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)
सदस्य	सदस्य	सदस्य	बाह्य विशेषज्ञ	संयोजक

चतुर्वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स शोध सहित पाठ्यक्रम

अष्टम् सेमेस्टर– क्रेडिट– 4 कुल 100 अंक

द्वितीय प्रश्न पत्र का शीर्षक : हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं

निर्धारित पाठ्यक्रम–

निबन्ध–

इकाई 1. **भारतेंदु–** दिल्ली दरबार दर्पण,
प्रतापनारायण मिश्र– शिवमूर्ति,
बालकृष्ण भट्ट– शिवशंभू के चिट्ठे,

इकाई 2. **रामचंद्र शुक्ल–** कविता क्या है,
हजारी प्रसाद द्विवेदी– नाखून क्यों बढ़ते हैं,
विद्यानिवास मिश्र– मेरे राम का मुकुट भीग रहा है,
अध्यापक पूर्ण सिंह– मजदूरी और प्रेम,

इकाई 3. **आत्मकथा– तुलसीराम–** मुर्दहिया,
यात्रा संस्मरण– अज्ञेय– अरे यायावर रहेगा याद

इकाई 4. **रेखाचित्र– महादेवी वर्मा–** ठकुरी बाबा,
जीवनी–शिवरानी देवी– प्रेमचंद घर में।

सहायक ग्रन्थ–

1. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
2. हिन्दी आत्मकथा : सिद्धान्त और स्वरूप विश्लेषण – विनीता अग्रवाल
3. आधुनिक हिन्दी गद्य का साहित्य – हरदयाल
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सम्पादक डॉ0 नगेन्द्र
5. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह
6. बालकृष्ण भट्ट व्यक्तित्व और कृतित्व – डॉ0 मधुकर भट्ट
7. चिंतामणि – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
8. हजारी प्रसाद द्विवेदी (संकलित निबंध) प्रकाशक एन0बी0टी0 दिल्ली
9. प्रेमचंद : एक विवेचन – रामविलास शर्मा

❑❑❑

(डॉ.राम आधार सिंह यादव)	(प्रो० सीमा अग्रवाल)	(प्रो० कंचन सिंह)	(प्रो० साधना तोमर)	(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)
सदस्य	सदस्य	सदस्य	बाह्य विशेषज्ञ	संयोजक

चतुर्वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स शोध सहित पाठ्यक्रम

अष्टम् सेमेस्टर– क्रेडिट– 4 — **कुल 100 अंक**

तृतीय प्रश्न पत्र का शीर्षक : अद्यतन हिन्दी काव्य (नई कविता एवं नवगीत)

निर्धारित पाठ्यक्रम–

इकाई 1. **मुक्तिबोध–** भूल गलती, ब्रह्मराक्षस, अंधेरे में, **भवानी प्रसाद मिश्र–** गीत फरोश, सतपुड़ा के जंगल, बुनी हुई रस्सी।

इकाई 2. **धर्मवीर भारती–** कनुप्रिया का प्रारम्भिक अंश, मुनादी, ठंडा लोहा, **केदारनाथ सिंह–** बादल ओ! कुछ फर्क नहीं पड़ता, मांझीघाट का पुल, **शमशेर बहादुर सिंह–** भाषा, बात बोलेगी, एक पीली शाम।

इकाई 3. नरेश मेहता– किरन धेनुएं, समय देवता का प्रारम्भिक अंश, पीले फूल कनेर के, **केदारनाथ अग्रवाल–** बसन्ती हवा, धूप, नौजवानों से, **धूमिल–** मोचीराम, अकाल दर्शन, रोटी और संसद।

इकाई 4. **नवगीतकार– शम्भूनाथ सिंह–** समय की शिला पर ओ! जन देवता, **ठाकुर प्रसाद सिंह–** आँछी के वन, पर्वत की घाटी जल चंचल, **माहेश्वर तिवारी–** धूप में जब भी जले हैं पांव, हरसिंगार कोई तो हो, **नईम–** पुरवइया क्वांर की, धुंधले प्रतिबिम्ब, **बुद्धिनाथ मिश्र–** जमुन–जल मेघ, जाड़े में पहाड़।

सहायक ग्रन्थ–

1. मुक्तिबोध की कविताई – अशोक चक्रधर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. मुक्तिबोध ज्ञान संवेदना – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कवियों का कवि शमशेर – रंजना अरगड़े, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भवानी प्रसाद मिश्र का काव्य संसार –कृष्ण दत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कविता और संवेदना – विजय बहादुर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, विदिशा, म.प्र.
6. नयी कविता के प्रतिमान – लक्ष्मीकांत वर्मा
7. नवगीत दशक 1, 2, 3 – सम्पादक शम्भूनाथ सिंह
8. हिन्दी नवगीत : उद्भव और विकास– राजेन्द्र गौतम
9. हिन्दी नवगीत युगीन संदर्भ – रामनारायण पटेल
10. नवगीत अवधारणा एवं अभिव्यक्ति– प्रोफेसर बीना रुस्तगी, आर्यावर्त जन उत्थान न्यास (रजि.), अमरोहा

❑❑❑

(डॉ.राम आधार सिंह यादव)	(प्रो० सीमा अग्रवाल)	(प्रो० कंचन सिंह)	(प्रो० साधना तोमर)	(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)
सदस्य	सदस्य	सदस्य	बाह्य विशेषज्ञ	संयोजक

चतुर्वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स शोध सहित पाठ्यक्रम

अष्टम सेमेस्टर– क्रेडिट– 4 **कुल 100 अंक**

चतुर्थ प्रश्न पत्र : लघुशोध– लेखन प्रस्तुतिकरण एवं मूल्यांकन

इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थी (पूर्व में) सप्तम सेमेस्टर में दी गयी शोध परियोजना का लेखन पूर्ण करके एवं शोध ग्रन्थ (हार्ड/स्पाइरल) बाइण्ड करके विभाग में प्रस्तुत करेगा। इसका मूल्यांकन विभागीय निर्देशक प्राध्यापक एवं विश्वविद्यालय द्वारा नामित बाह्य परीक्षक के द्वारा संयुक्त रूप से किया जायेगा।

❑❑❑

अष्टम सेमेस्टर– क्रेडिट– 4 **कुल 100 अंक**

पंचम प्रश्न पत्र : मौखिकी

इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थी की मौखिक परीक्षा सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर आन्तरिक एवं बाह्य परीक्षक के द्वारा संयुक्त रूप से 100 अंकों में ली जायेगी।

❑❑❑

(डॉ.राम आधार सिंह यादव)	**(प्रो० सीमा अग्रवाल)**	**(प्रो० कंचन सिंह)**	**(प्रो० साधना तोमर)**	**(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)**
सदस्य	सदस्य	सदस्य	बाह्य विशेषज्ञ	संयोजक

एम.जे.पी. रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली

NEP- 2020 FOUR YEAR HINDI U.G. DEGREE HONOURS COURSE

सी0बी0एस0 आधारित क्रेडिट सिस्टम सत्र–2024–25

चतुर्वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स पाठ्यक्रम

वर्ष	सेमेस्टर	प्रश्न पत्र	प्रश्न पत्र का शीर्षक	अंक आंत0/बाह्य	लिखित/मौखिक	क्रेडिट्स
IV	**VII**	प्रथम	हिन्दी साहित्य का इतिहास	100 (30/70)	लिखित	4
		द्वितीय	आधुनिक हिन्दी काव्य (द्विवेदी युग से प्रयोगवाद तक)	100 (30/70)	लिखित	4
		तृतीय	हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)	100 (30/70)	लिखित	4
		चतुर्थ	हिन्दी आलोचना	100 (30/70)	लिखित	4
		पंचम	मौखिकी	100	मौखिक	4
					कुल क्रेडिट्स	**20**
IV	**VIII**	प्रथम	हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि का इतिहास	100 (30/70)	लिखित	4
		द्वितीय	हिन्दी निबन्ध एवं अन्य गद्य विधाएं	100 (30/70)	लिखित	4
		तृतीय	अद्यतन हिन्दी काव्य (नई कविता एवं नवगीत)	100 (30/70)	लिखित	4
		चतुर्थ	हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	100 (30/70)	लिखित	4
		पंचम	मौखिकी	100	मौखिक	4
					कुल क्रेडिट्स	**20**

(डॉ.राम आधार सिंह यादव)	(प्रो० सीमा अग्रवाल)	(प्रो० कंचन सिंह)	(प्रो० साधना तोमर)	(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)
सदस्य	सदस्य	सदस्य	बाह्य विशेषज्ञ	संयोजक

हिन्दी पाठ्य समिति महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली

नई शिक्षा नीति–2020 के दृष्टिगत विश्वविद्यालय के पत्रांक : रू.वि./शैक्षणिक/2024/26 दिनांक : 03/04/2024 के अनुपालन में दिनांक : 21/06/2024 दिन शुक्रवार, सायं 05 बजे पाठ्य समिति द्वारा गूगल मीट पर वर्चुअल बैठक सम्पन्न की गयी, जिसमें स्नातक चतुर्वर्षीय हिन्दी ऑनर्स शोध सहित एवं चतुर्वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स के तैयार पाठ्यक्रम की चर्चा एवं अनुमोदन किया गया।

इस अवसर पर निम्न सदस्य उपस्थित रहे –

1. प्रो0 बीना रुस्तगी, जे.एस.एच. (पी.जी.) कॉलेज, अमरोहा – संयोजक
2. डॉ0 राम आधार सिंह यादव, एस.एम. कॉलेज, चन्दौसी – सदस्य
3. प्रो0 सीमा अग्रवाल, गोकुलदास गर्ल्स डिग्री कॉलेज, मुरादाबाद – सदस्य
4. प्रो0 कंचन सिंह, दयानन्द आर्य कन्या डिग्री कॉलेज, मुरादाबाद – सदस्य
5. प्रो0 साधना तोमर, प्राचार्या– ए.के.पी. कॉलेज, हापुड़ – बाह्य विशेषज्ञ

पाठ्य समिति द्वारा स्नातक चतुर्वर्षीय हिन्दी ऑनर्स शोध सहित एवं चतुर्वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स पाठ्यक्रम के सप्तम एवं अष्टम सेमेस्टर का पाठ्यक्रम तैयार किया गया। अनुमोदित पाठ्यक्रम आवश्यक कार्यार्थ विश्वविद्यालय की सेवा में प्रेषित है।

(डॉ.राम आधार सिंह यादव)	(प्रो० सीमा अग्रवाल)	(प्रो० कंचन सिंह)	(प्रो० साधना तोमर)	(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)
सदस्य	सदस्य	सदस्य	बाह्य विशेषज्ञ	संयोजक

चतुर्वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स पाठ्यक्रम

सप्तम सेमेस्टर– क्रेडिट– 4 **कुल 100 अंक**

प्रथम प्रश्न पत्र का शीर्षक : हिन्दी साहित्य का इतिहास

निर्धारित पाठ्यक्रम–

इकाई 1. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, काल विभाजन और नामकरण, हिन्दी साहित्य का आदिकाल : नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, नाथ–सिद्ध साहित्य परम्परा, रासो काव्य परम्परा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाएं।

इकाई 2. मध्यकाल : भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियां, सूफी काव्य परम्परा, सगुण काव्यधारा : रामभक्ति परम्परा, कृष्णभक्ति परम्परा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएं।

इकाई 3. रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियां, लक्षण ग्रन्थ–परम्परा, रीतिकाल की काव्यधाराएं : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएं।

इकाई 4. आधुनिक साहित्य एवं पुनर्जागरण, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन काव्य, आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य की प्रमुख विधाओं का परिचय, निबन्ध, उपन्यास, कहानी, नाटक एवं अन्य गद्य विधाएं (संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा वृतान्त, रिपोर्ताज)।

सहायक ग्रन्थ–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका – डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. साहित्य की समस्याएं – डॉ0 शिवदान सिंह चौहान
5. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेन्द्र
7. हिन्दी का गद्य साहित्य – डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
8. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास – डॉ0 सुमन राजे
9. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह
10. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास– डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी

❑❑❑

(डॉ.राम आधार सिंह यादव)	**(प्रो० सीमा अग्रवाल)**	**(प्रो० कंचन सिंह)**	**(प्रो० साधना तोमर)**	**(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)**
सदस्य	सदस्य	सदस्य	बाह्य विशेषज्ञ	संयोजक

चतुर्वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स पाठ्यक्रम

सप्तम सेमेस्टर– क्रेडिट– 4 कुल 100 अंक

द्वितीय प्रश्न पत्र का शीर्षक : आधुनिक हिन्दी काव्य (द्विवेदी युग से प्रयोगवाद तक)

निर्धारित पाठ्यक्रम–

इकाई 1. **अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध–** प्रियप्रवास (सर्ग 6 प्रथम 40 छंद)।
मैथिलीशरण गुप्त– साकेत (नवम् सर्ग)।

इकाई 2. **जयशंकर प्रसाद–** कामायनी– श्रद्धा सर्ग, लज्जा सर्ग।
निराला– जुही की कली, जागो फिर एक बार, सरोजस्मृति, कुकरमुत्ता।
सुमित्रानंदन पंत– परिवर्तन, प्रथम रश्मि।

इकाई 3. **महादेवी वर्मा–** बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी जी हूँ, मैं नीर भरी दुख की बदली, फिर विकल है प्राण मेरे, यह मन्दिर का दीप इसे नीरव जलने दो।
रामधारी सिंह दिनकर– रश्मिरथी।

इकाई 4. **वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन'–** कालिदास, बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद,
सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय– कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, हरी घास पर क्षण भर, असाध्य वीणा।

सहायक ग्रन्थ–

1. छायावाद पुर्नमूल्यांकन – सुमित्रानंदन पंत
2. छायावाद से नयी कविता – डॉ0 प्रतिमा कृष्णबल
3. साकेत के नवम सर्ग का काव्य वैभव – डॉ0 कन्हैयालाल सहल
4. कामायनी चिंतन – डॉ0 विमल कुमार जैन
5. कामायनी के अनुशीलन की समस्याएं – डॉ0 नगेन्द्र
6. निराला – डॉ0 रामविलास शर्मा
7. आधुनिक हिन्दी कविता – विश्वनाथ तिवारी
8. सुमित्रानन्दन पंत – सम्पादक बच्चन
9. महादेवी – इन्द्रनाथ मदान
10. नागार्जुन की कविता – अजय तिवारी (वाणी प्रकाशन हिन्दी)
11. अज्ञेय का काव्य : शब्द और सत्य – अशोक वाजपेयी, पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली

❒❒❒

(डॉ.राम आधार सिंह यादव)	(प्रो० सीमा अग्रवाल)	(प्रो० कंचन सिंह)	(प्रो० साधना तोमर)	(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)
सदस्य	सदस्य	सदस्य	बाह्य विशेषज्ञ	संयोजक

चतुर्वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स पाठ्यक्रम

सप्तम सेमेस्टर– क्रेडिट– 4 **कुल 100 अंक**

तृतीय प्रश्न पत्र का शीर्षक : हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)

निर्धारित पाठ्यक्रम–

कहानियां–

इकाई 1. **राजेंद्र बाला घोष (बंग महिला)**– दुलाई वाली,
माधवराव सप्रे– एक टोकरी भर मिट्टी,
सुभद्रा कुमारी चौहान– राही,
प्रेमचंद– ईदगाह,
राधिकारमण प्रसाद सिंह– कानों में कंगना।

इकाई 2. **चंद्रधर शर्मा गुलेरी**– उसने कहा था,
फणीश्वरनाथ रेणु– लाल पान की बेगम,
शेखर जोशी– कोसी का घटवार,
हरिशंकर परसाई– इंस्पेक्टर मातादीन चांद पर।

इकाई 3. जयशंकर प्रसाद– आकाशदीप,
भीष्म साहनी– अमृतसर आ गया,
जैनेंद्र– अपना अपना भाग्य,
कृष्णा सोबती– सिक्का बदल गया,
निर्मल वर्मा– परिंदे।

इकाई 4. **उपन्यास**– **प्रेमचंद**– गोदान, **श्रीलाल शुक्ल**– राग दरबारी।

सहायक ग्रन्थ–

1. नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति – डॉ0 देवी शंकर अवस्थी
2. नयी कविता की भूमिका – कमलेश्वर
3. आज का हिन्दी उपन्यास – डॉ0 इन्द्रनाथ मदान
4. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
5. हिन्दी कहानी की रचना प्रक्रिया – परमानन्द श्रीवास्तव
6. प्रेमचंद : एक विवेचन – इन्द्रनाथ मदान
7. हिन्दी उपन्यास एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र

❏❏❏

(डॉ.राम आधार सिंह यादव)	(प्रो० सीमा अग्रवाल)	(प्रो० कंचन सिंह)	(प्रो० साधना तोमर)	(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)
सदस्य	सदस्य	सदस्य	बाह्य विशेषज्ञ	संयोजक

चतुर्वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स पाठ्यक्रम

सप्तम सेमेस्टर– क्रेडिट– 4 **कुल 100 अंक**

चतुर्थ प्रश्न पत्र का शीर्षक : हिंदी आलोचना

निर्धारित पाठ्यक्रम–

इकाई 1. हिंदी आलोचना का स्वरूप, हिंदी आलोचना का विकास, शुक्लयुगीन हिंदी आलोचना, शुक्लोत्तरयुगीन हिंदी आलोचना, स्वातंत्रयोत्तर हिंदी आलोचना।

इकाई 2. हिंदी आलोचना की विविध प्रणालियाँ : काव्यशास्त्रीय, स्वछंदतावादी, मनोविश्लेषणवादी, व्यक्तिवादी, सौंदर्यवादी, प्रभाववादी, समाजशास्त्रीय, तुलनात्मक।

इकाई 3. हिंदी आलोचक– रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, डॉक्टर नगेंद्र, डॉक्टर बच्चन सिंह, डॉक्टर रामस्वरूप चतुर्वेदी।

इकाई 4. हिंदी के मार्क्सवादी आलोचक डॉक्टर रामविलास शर्मा, डॉक्टर शिवदान सिंह चौहान, डॉक्टर नामवर सिंह।

सहायक ग्रन्थ–

1. त्रिवेणी – रामचंद्र शुक्ल
2. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल
5. भाषा और समाज – डॉ0 रामविलास शर्मा
6. रस सिद्धांत – डॉ0 नगेन्द्र
7. दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह
8. कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह
9. साहित्य की परख – शिवदान सिंह चौहान
10. नयी कविता – नंददुलारे वाजपेयी

❑❑❑

(डॉ.राम आधार सिंह यादव)	(प्रो० सीमा अग्रवाल)	(प्रो० कंचन सिंह)	(प्रो० साधना तोमर)	(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)
सदस्य	सदस्य	सदस्य	बाह्य विशेषज्ञ	संयोजक

चतुर्वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स पाठ्यक्रम

सप्तम सेमेस्टर– क्रेडिट– 4 **कुल 100 अंक**

पंचम प्रश्न पत्र : मौखिकी

इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थी की मौखिक परीक्षा सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर आन्तरिक एवं बाह्य परीक्षक के द्वारा संयुक्त रूप से 100 अंकों में ली जायेगी।

❑❑❑

(डॉ.राम आधार सिंह यादव)	(प्रो० सीमा अग्रवाल)	(प्रो० कंचन सिंह)	(प्रो० साधना तोमर)	(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)
सदस्य	सदस्य	सदस्य	बाह्य विशेषज्ञ	संयोजक

चतुर्वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स पाठ्यक्रम

अष्टम सेमेस्टर– क्रेडिट– 4 **कुल 100 अंक**

प्रथम प्रश्न पत्र का शीर्षक : हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि का इतिहास

इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

इकाई 1. हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं।
मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं– पालि, प्राकृत, शौरसैनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं।

इकाई 2. हिन्दी का भौगोलिक विस्तार एवं विविध रूप
हिन्दी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियां, हिन्दी के विविध रूप– सम्पर्क भाषा, राष्ट्र भाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम भाषा, संचार भाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

इकाई 3. हिन्दी का भाषिक स्वरूप –
हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था– खंड्य और खंडयेतर।
हिन्दी शब्द रचना– उपसर्ग, प्रत्यय, समास।
रूपरचना– लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के संदर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप।
हिन्दी वाक्य रचना पदक्रम और अन्विति।

इकाई 4. देवनागरी लिपि :
देवनागरी लिपि का इतिहास।
देवनागरी लिपि की विशेषताएं और मानकीकरण।

सहायक ग्रन्थ–

1. हिन्दी भाषा का इतिहास – डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा
2. हिन्दी भाषा का विकास – डॉ0 उदयनारायण तिवारी
3. हिन्दी भाषा का विकास – डॉ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा
4. हिन्दी भाषा और लिपि का विकास – डॉ0 सत्यनारायण त्रिपाठी
5. हिन्दी की आत्मा – डॉ0 धर्मवीर
6. हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास – डॉ0 तिलक सिंह

❑❑❑

(डॉ.राम आधार सिंह यादव)	(प्रो० सीमा अग्रवाल)	(प्रो० कंचन सिंह)	(प्रो० साधना तोमर)	(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)
सदस्य	सदस्य	सदस्य	बाह्य विशेषज्ञ	संयोजक

चतुर्वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स पाठ्यक्रम

अष्टम् सेमेस्टर– क्रेडिट– 4 **कुल 100 अंक**

द्वितीय प्रश्न पत्र का शीर्षक : हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं

निर्धारित पाठ्यक्रम–

निबन्ध–

इकाई 1. **भारतेंदु–** दिल्ली दरबार दर्पण,
प्रतापनारायण मिश्र– शिवमूर्ति,
बालकृष्ण भट्ट– शिवशंभू के चिट्ठे,

इकाई 2. रामचंद्र शुक्ल– कविता क्या है,
हजारी प्रसाद द्विवेदी– नाखून क्यों बढ़ते हैं,
विद्यानिवास मिश्र– मेरे राम का मुकुट भीग रहा है,
अध्यापक पूर्ण सिंह– मजदूरी और प्रेम,

इकाई 3. आत्मकथा– तुलसीराम– मुर्दहिया,
यात्रा संस्मरण– अज्ञेय– अरे यायावर रहेगा याद

इकाई 4. रेखाचित्र– महादेवी वर्मा– ठकुरी बाबा,
जीवनी–शिवरानी देवी– प्रेमचंद घर में।

सहायक ग्रन्थ–

1. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
2. हिन्दी आत्मकथा : सिद्धान्त और स्वरूप विश्लेषण – विनीता अग्रवाल
3. आधुनिक हिन्दी गद्य का साहित्य – हरदयाल
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सम्पादक डॉ0 नगेन्द्र
5. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह
6. बालकृष्ण भट्ट व्यक्तित्व और कृतित्व – डॉ0 मधुकर भट्ट
7. चिंतामणि – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
8. हजारी प्रसाद द्विवेदी (संकलित निबंध) प्रकाशक एन0बी0टी0 दिल्ली
9. प्रेमचंद : एक विवेचन – रामविलास शर्मा

❑❑❑

(डॉ.राम आधार सिंह यादव)	**(प्रो० सीमा अग्रवाल)**	**(प्रो० कंचन सिंह)**	**(प्रो० साधना तोमर)**	**(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)**
सदस्य	सदस्य	सदस्य	बाह्य विशेषज्ञ	संयोजक

<u>चतुर्वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स पाठ्यक्रम</u>

अष्टम् सेमेस्टर– क्रेडिट– 4 **कुल 100 अंक**

तृतीय प्रश्न पत्र का शीर्षक : अद्यतन हिन्दी काव्य (नई कविता एवं नवगीत)

निर्धारित पाठ्यक्रम–

इकाई 1. **मुक्तिबोध–** भूल गलती, ब्रह्मराक्षस, अंधेरे में, **भवानी प्रसाद मिश्र–** गीत फरोश, सतपुड़ा के जंगल, बुनी हुई रस्सी।

इकाई 2. **धर्मवीर भारती–** कनुप्रिया का प्रारम्भिक अंश, मुनादी, ठंडा लोहा, **केदारनाथ सिंह–** बादल ओ! कुछ फर्क नहीं पड़ता, मांझीघाट का पुल, **शमशेर बहादुर सिंह–** भाषा, बात बोलेगी, एक पीली शाम।

इकाई 3. नरेश मेहता– किरन धेनुएं, समय देवता का प्रारम्भिक अंश, पीले फूल कनेर के, **केदारनाथ अग्रवाल–** बसन्ती हवा, धूप, नौजवानों से, **धूमिल–** मोचीराम, अकाल दर्शन, रोटी और संसद।

इकाई 4. **नवगीतकार– शम्भूनाथ सिंह–** समय की शिला पर ओ! जन देवता, **ठाकुर प्रसाद सिंह–** आँछी के वन, पर्वत की घाटी जल चंचल, **माहेश्वर तिवारी–** धूप में जब भी जले हैं पांव, हरसिंगार कोई तो हो, **नईम–** पुरवइया क्वांर की, धुंधले प्रतिबिम्ब, **बुद्धिनाथ मिश्र–** जमुन–जल मेघ, जाड़े में पहाड़।

सहायक ग्रन्थ–

1. मुक्तिबोध की कविताई – अशोक चक्रधर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. मुक्तिबोध ज्ञान संवेदना – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कवियों का कवि शमशेर – रंजना अरगड़े, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भवानी प्रसाद मिश्र का काव्य संसार –कृष्ण दत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कविता और संवेदना – विजय बहादुर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, विदिशा, म.प्र.
6. नयी कविता के प्रतिमान – लक्ष्मीकांत वर्मा
7. नवगीत दशक 1, 2, 3 – सम्पादक शम्भूनाथ सिंह
8. हिन्दी नवगीत : उद्भव और विकास– राजेन्द्र गौतम
9. हिन्दी नवगीत युगीन संदर्भ – रामनारायण पटेल
10. नवगीत अवधारणा एवं अभिव्यक्ति– प्रोफेसर बीना रुस्तगी, आर्यावर्त जन उत्थान न्यास (रजि.), अमरोहा

❏❏❏

(डॉ.राम आधार सिंह यादव)	(प्रो० सीमा अग्रवाल)	(प्रो० कंचन सिंह)	(प्रो० साधना तोमर)	(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)
सदस्य	सदस्य	सदस्य	बाह्य विशेषज्ञ	संयोजक

चतुर्वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स पाठ्यक्रम

अष्टम् सेमेस्टर– क्रेडिट– 4 **कुल 100 अंक**

चतुर्थ प्रश्न पत्र का शीर्षक : हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

निर्धारित पाठ्यक्रम–

इकाई 1. मध्ययुगीनता और आधुनिकता का द्वंद, 1857 की क्रांति एवं स्वाधीनता आंदोलन की वैचारिक पृष्ठभूमि, भारतीय नवजागरण और हिंदी नवजागरण, हिंदी नवजागरण के स्रोत और उसका प्रभाव, भारतेंदु और हिंदी नवजागरण।

इकाई 2. खड़ी बोली आंदोलन, फोर्ट विलियम कॉलेज, महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राष्ट्रीय चेतना का उदय, सामंतवाद एवं साम्राज्यवाद विरोधी साहित्य।

इकाई 3. गांधीवादी दर्शन और साहित्य पर उसका प्रभाव, अंबेडकर दर्शन एवं साहित्य पर उसका प्रभाव, लोहिया दर्शन, मार्क्सवाद : हिंदी साहित्य पर मार्क्सवाद का प्रभाव।

इकाई 4. मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता, नई समीक्षा और उसकी मान्यताएं।

सहायक ग्रन्थ–

1. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पाण्डेय
2. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी जनजागरण – डॉ0 राम विलास शर्मा
3. मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य – डॉ0 राम विलास शर्मा
4. आधुनिकता और सृजनशीलता – डॉ0 रघुवंश
5. उत्तर आधुनिकता की ओर – डॉ0 कृष्णदत्त पालीवाल
6. नयी समीक्षा : नये संदर्भ – डॉ0 नगेन्द्र
7. हिन्दी आलोचना का सैद्धान्तिक आधार – डॉ0 कृष्णदत्त पालीवाल
8. हिन्दी नवजागरण – डॉ0 गजेन्द्र पाठक

❒❒❒

(डॉ.राम आधार सिंह यादव)	(प्रो० सीमा अग्रवाल)	(प्रो० कंचन सिंह)	(प्रो० साधना तोमर)	(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)
सदस्य	सदस्य	सदस्य	बाह्य विशेषज्ञ	संयोजक

चतुर्थ वर्षीय स्नातक हिन्दी ऑनर्स पाठ्यक्रम

अष्टम् सेमेस्टर– क्रेडिट– 4 **कुल 100 अंक**

पंचम प्रश्न पत्र : मौखिकी

इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थी की मौखिक परीक्षा सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर आन्तरिक एवं बाह्य परीक्षक के द्वारा संयुक्त रूप से 100 अंकों में ली जायेगी।

❑❑❑

(डॉ.राम आधार सिंह यादव)	(प्रो० सीमा अग्रवाल)	(प्रो० कंचन सिंह)	(प्रो० साधना तोमर)	(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)
सदस्य	सदस्य	सदस्य	बाह्य विशेषज्ञ	संयोजक

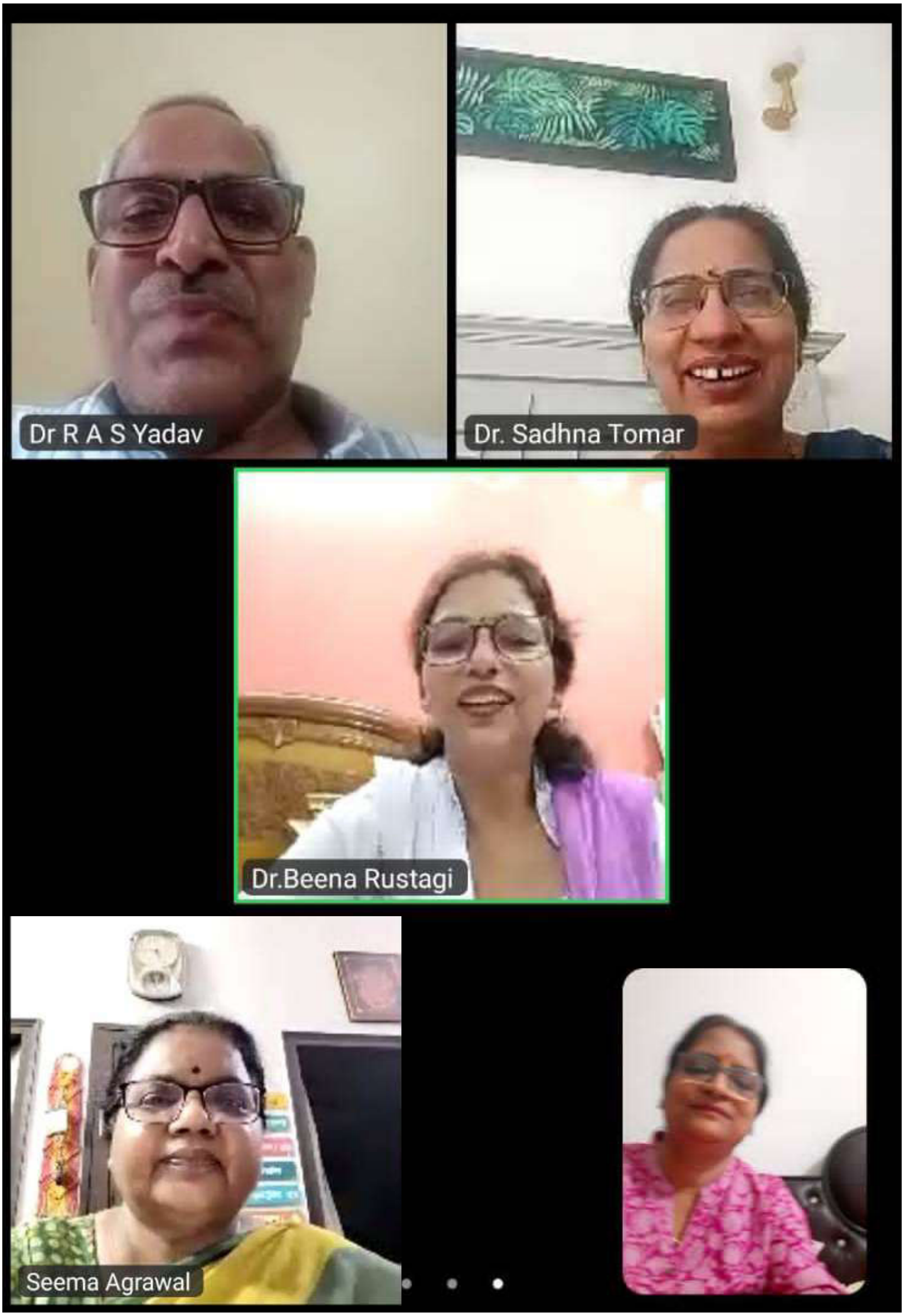

(डॉ.राम आधार सिंह यादव)	(प्रो० सीमा अग्रवाल)	(प्रो० कंचन सिंह)	(प्रो० साधना तोमर)	(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)
सदस्य	सदस्य	सदस्य	बाह्य विशेषज्ञ	संयोजक